Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

PJ-102

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा / प्रमाण पत्र (डी0पी0जे0 / सी0पी0जे0)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. ज्योतिष शास्त्र का परिचय दीजिये?

P.T.O.

Q.2. कर्क, कन्या, धनु राशियों का शुभाशुभ फल प्रतिपादित करें?

Q.3. लग्नादि द्वादश भावों का परिचय दीजिए?

Q.4. सूर्य का द्वादश भावों में क्या फल होता है। लिखिये?

Q.5. पंचमहापुरूष का उदाहरण सहित वर्णन करें ?

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. सूर्यमहादशा में शनि, बुध, केतु के फल को प्रतिपादित करें?

Q.2. मंगल व गुरू के स्वरूप को निरूपित करें?

Q.3. ग्रहों के उच्च–नीच, मूलत्रिकोण व नैसर्गिक मित्रता को परिभाषित कीजिये?

Q.4. सूर्य से बनने वाले योगो का विश्लेषण करें?

Q.5. उदाहरण सहित अरिष्ट योगों को लिखिये?

Q.6. चन्द्रमा का द्वादश भावों में क्या फल है लिखिये ?

Q.7. बुध का द्वादश राशियों का फल कथन विविचन करें?

Q.8. ग्रहों के कारकत्व का परिचय दीजिये ?

****